भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 79

22 नवम्बर, 2011 **को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर**

साढ़े तीन साल का चिकित्सीय डिग्री पाठ्यक्रम

79. **श्री बलविंदर सिंह भुंडरः**

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या मंत्रालय द्वारा देश के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रैक्टिस करने के लिए साढ़े तीन साल अवधि की डिग्री शुरू करने पर विचार किया जा रहा है;
(ख) क्या भारतीय चिकित्सा परिषद (एम॰सी॰आई॰) और भारतीय चिकित्सा संघ (आई॰
एम॰ ए॰) ने मरीजों की सुरक्षा की दृष्टि से साढ़े तीन साल अवधि के पाठ्यक्रम का अनुमोदन नहीं किया है; और
(ग) यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है और इसका समाधान कैसे किया जाएगा?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री गुलाम नबी आज़ाद)

(क) जी हाँ, केंद्र सरकार ऐसे स्वास्थ्य सेवा प्रदायकों का संवर्ग निर्माण करने के प्रयोजन से ग्रामीण स्वास्थ्य परिचर्या स्नातक (बीआरएचसी) नामक एक पाठ्यक्रम की शुरूआत करने पर विचार कर रहा है जो इस ढंग के आधार पर, जिस आधार पर उन्हें चयनित प्रशिक्षित, तैनात एवं समर्थित किया गया हैं, उनको उप केंद्र स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने तथा व्यापक स्वास्थ्य परिचर्या मुहैया कराने के लिए प्रोत्साहित करेगा।
(ख) तथा (ग) हालांकि एमसीआई के साथ सलाह–मशविरा करके बीआरएचसी का प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है, आईएमए सरीखे कुछ एसोसिएशनों ने इस प्रस्ताव का स्वागत नहीं किया है। फिर भी, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य क्षेत्र के मानव संसाधनों की उपलब्धता की गंभीर चिंता को दूर करने के लिए, सरकार इनबिल्ट रक्षोपायों के साथ पाठ्यक्रम को शुरू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

.....